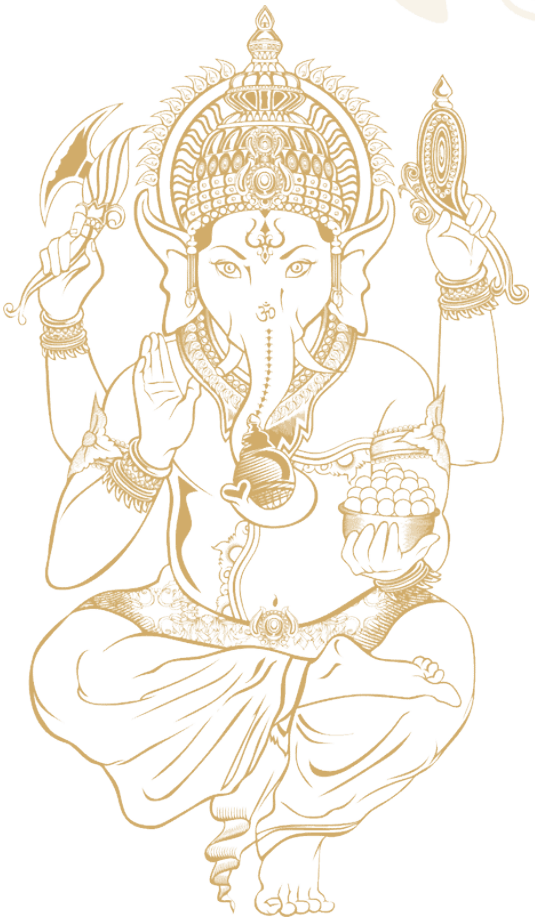

Aditya

Priyanshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120771903

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/07/1999	जन्म तिथि	26/05/1999
गुरुवार	दिन	बुधवार
घंटे 10:47:00	जन्म समय	17:15:00 घंटे
घटी 12:14:27	जन्म समय(घटी)	28:50:51 घटी
India	देश	India
Indore	स्थान	Indore
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	22:42:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	75:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:53:13	सूर्योदय	05:42:39
19:12:04	सूर्यास्त	19:04:20
23:50:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:42

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 9वर्ष 4मा 23दि		10:27:41	कन्या	लग्न	तुला	17:45:57	मंगल 3वर्ष 9मा 3दि	
शनि		05:08:25	कर्क	सूर्य	वृष	10:57:20	गुरु	
13/12/2008		25:30:10	तुला	चंद्र	कन्या	29:30:29	26/02/2021	
14/12/2027		12:51:30	तुला	मंगल व	तुला	01:06:54	26/02/2037	
शनि	17/12/2011	12:26:53	कर्क व	बुध	वृष	11:51:05	गुरु	17/04/2023
बुध	26/08/2014	09:18:53	मेष	गुरु	मेष	00:00:23	शनि	28/10/2025
केतु	05/10/2015	10:09:02	सिंह	शुक्र	मिथु	25:29:45	बुध	03/02/2028
शुक्र	04/12/2018	22:02:24	मेष	शनि	मेष	16:32:51	केतु	09/01/2029
सूर्य	16/11/2019	19:12:14	कर्क व	राहु व	कर्क	22:07:50	शुक्र	10/09/2031
चन्द्र	17/06/2021	19:12:14	मक व	केतु व	मक	22:07:50	सूर्य	28/06/2032
मंगल	27/07/2022	21:37:00	मक व	हर्ष व	मक	22:56:24	चन्द्र	28/10/2033
राहु	01/06/2025	09:14:29	मक व	नेप व	मक	10:25:19	मंगल	04/10/2034
गुरु	14/12/2027	14:05:43	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	15:24:32	राहु	26/02/2037

लग्न-चलित

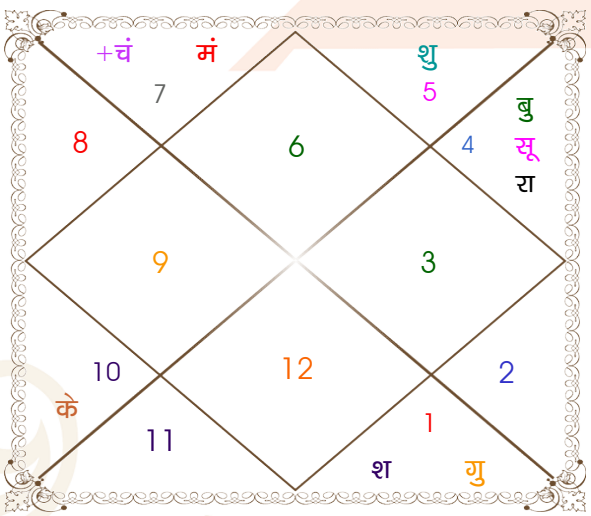

लग्न-चलित

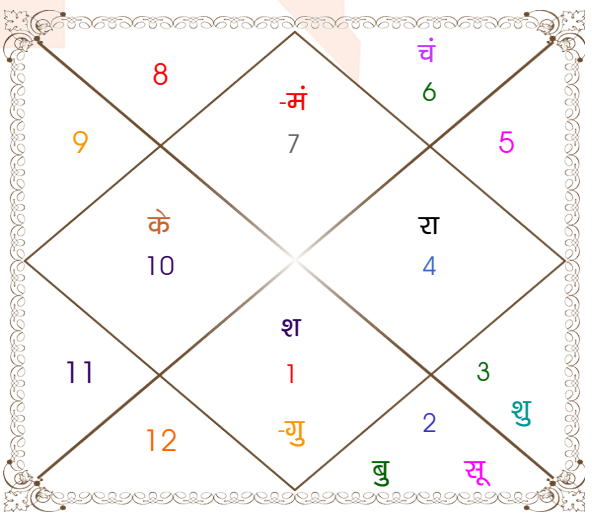

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	व्याघ्र	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

।कपजलं का वर्ग सर्प है तथा च्तपलंदींप का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।कपजलं और च्तपलंदींप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

।कपजलं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

च्तपलंदींप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ।कपजलं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।कपजलं तथा च्तपलंदींप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।